Teacher Training College
C-11 Guidance and Counselling
B.Ed 2nd yr.

Counselling -

01

परामर्श दर्शन के आधार पर ही परामर्श के उद्देश्यों का निर्धारण होता है। परामर्श की तकनीकों, उनकी नवीन कार्य प्रणालियों आदि के निर्धारण पर पर जितना बल दिया जा रहा है उतना उसके लक्ष्य एवं मूल्य निर्धारण की ओर नहीं, वस्तुतः साधनों का निर्धारण या चयन साध्य की दृष्टि से किया जाता है।

किसी भी मंजिल का बुद्धिमत्तापूर्ण निर्णय उस तक ले जाने वाले मार्ग से अलग हटकर नहीं किया जा सकता बिना मार्ग की बाधाओं एवं लक्ष्य की ओर अग्रसर करने वाले साधनों के लक्ष्यों का प्रेक्ष्य या कार्य निर्देशक लक्ष्य नहीं माना जा सकता, यदि विस्तार से कहा जाये तो साधनों से अलग साध्य रखकर ही लक्ष्य हलकी योजना एवं प्रयोजन के रूप में प्रारम्भ निर्धारण कर सकते हैं। यह योजना एवं प्रयोजन यदि साधनों की खोज की ओर ले जाते हैं तो उपयोगी है।

वैबस्टर शब्दकोश के अनुसार — "परामर्श का आशय पूछताछ, पारस्परिक तर्क-वितर्क अथवा विचारों का पारस्परिक विनिमय है"

According to गिलबर्ट रैन — "परामर्श सर्वप्रथम एक व्यक्तिगत सन्दर्भ का परिसूचक है, इसे सामूहिक रूप में प्रयुक्त किया जा सकता है, सामूहिक परामर्श जैसा शब्द असंगत है तथा व्यक्तिगत परामर्श जैसा शब्द भी संगत नहीं है क्योंकि परामर्श सदैव व्यक्तिगत रूप में ही सम्पन्न हो सकता है।"

ail/Notes

JANUARY					
M		30	2	9	16	23
T		31	3	10	17	24
W			4	11	18	25
T			5	12	19	26
F			6	13	20	27
S			7	14	21	28
S		1	8	15	22	29

Scanned with CamScanner

According to जार्ज ई० मायर्स :- परामर्श का कार्य तब आवश्यक होता है जब यह प्रार्थी को अपने निर्णय लेने के लिए बुद्धिमत्तापूर्ण विधियों का उपयोग करके सहायता प्रदान करता है। परामर्श स्वयं कोई निर्णय नहीं लेता है। अतः इस प्रक्रिया में प्रार्थी है, स्वयं निर्णय लेने की क्षमता का प्रावधान है। विलियम्सन की बीज गणित के शिक्षण में विद्यार्थी के लिए प्रश्न समस्या का समाधान शिक्षक के द्वारा स्वयं करना है।

According to कार्ल रोजर्स :- "परामर्श एक निर्धारित रूप से स्वीकृत ऐसा सम्बन्ध है जो परामर्शप्रार्थी को स्वयं को समझने में पर्याप्त सहायता देता है। जिससे वह अपने नवीन ज्ञान के उपयोग से नये निर्णय ले सके।"

According रुथ स्ट्रैंग :- "परामर्श प्रक्रिया एक संयुक्त प्रयास है। विद्यार्थी का उत्तरदायित्व स्वयं को समझाने की चेष्टा करना तथा उस मार्ग का पता लगाना है। जिस पर उसे जाना है तथा जैसे ही समस्या उत्पन्न हो उसके समाधान के लिए आत्म विश्वास का विकास होना है। परामर्शदाता का उत्तरदायित्व इस प्रक्रिया में जब कभी छात्र को आवश्यकता हो, सहायता प्रदान करना है।

Phone/Email/Notes

Notes

FEBRUARY

	6	13	20	27
	7	14	21	28
1	8	15	22	
2	9	16	23	
3	10	17	24	
4	11	18	25	
5	12	19	26	

Scanned with CamScanner

परामर्श की विशेषताएँ 03

i) परामर्श की प्रक्रिया दो व्यक्तियों के पारस्परिक सम्बन्ध पर आधारित है।

ii) दोनों के मध्य विचार-विमर्श के अनेक साधन हो सकते हैं।

iii) प्रत्येक परामर्शदाता को अपनी प्रक्रिया का पूर्ण ज्ञान होना चाहिये।

iv) प्रत्येक परामर्श साक्षात्कार पर आधारित होता है।

v) परामर्श के फलस्वरूप, परामर्शप्रार्थी की भावनाओं में परिवर्तन होता है।

i) परामर्श प्रार्थी को समझने में पर्याप्त सहायता देता है। जिससे वह अपनी समस्याओं के समाधान के लिये निर्णय लेता है।

ii) परामर्श में एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति की समस्याओं के समाधान हेतु सहायता इस प्रकार करता है जिससे स्वयं निर्णय लेकर सीखता है।

iii) परामर्श की प्रक्रिया-प्रार्थी केन्द्रित होता है जिसमें पारस्परिक विचार-विमर्श तथा सोद्देश्यपूर्ण तर्क-वितर्क के आधार पर प्रार्थी को इस योग्य बनाया जाता है कि वह अपनी समस्याओं के समाधान के लिये स्वयं निर्णय ले सके।

e/Email/Notes

JANUARY
M 30 2 9 16 23
T 31 3 10 17 24
W 4 11 18 25
T 5 12 19 26
F 6 13 20 27
S 7 14 21 28
S 1 8 15 22 29

Scanned with CamScanner

परामर्श के उद्देश्य :-

जब कोई व्यक्ति मनोचिकित्सक के रूप में कार्य करता है। तब उसका अभीष्ट प्रभाव डालने या सहमति प्राप्त न होकर मात्रा के रूप में कार्य करता है तब उसका अभीष्ट डालने वाला सहमति प्राप्त न होकर मात्रा उत्तम स्वास्थ्य की स्थिति को पुनः स्थापित करना होता है। एक मनोचिकित्सक को न तो कुछ कहना होता है, और न ही प्रस्तावित होता है करना।"

अधिक परिपक्व एवं स्वयं क्रियाशील बनाने, विश्लेषात्मक तथा रचनात्मक दिशा की ओर अग्रसारित होने अपने साधनों एवं सम्भावनाओं के उपयोग तथा समाजीकरण की ओर अग्रसारित होने में सहायता प्रदान करने के लक्ष्य पर ध्यान देते हुए कहा है।"

i) परामर्शप्रार्थी द्वारा स्वयं के अभिप्रेरकों, आत्म-दृष्टिकोणों एवं क्षमताओं को यथार्थ रूप से स्वीकार करना,

ii) सेवार्थी के द्वारा सामाजिक, आर्थिक एवं व्यावसायिक वातावरण के साथ तर्कयुक्त सामंजस्य की प्राप्ति करना है,

iii) व्यक्तिगत विभिन्नताओं की, समाज द्वारा स्वीकृत एवं समुदाय, रोजगार व वैवाहिक सम्बन्धों के क्षेत्र में उनका निहितार्थ करना।

Phone/Email/Notes

UARY

6	13	20	27
7	14	21	28
8	15	22	
9	16	23	
10	17	24	
11	18	25	
12	19	26	

Notes

Scanned with CamScanner

इस वर्णन के आधार पर परामर्श के मुख्य उद्देश्य तीन माने जा सकते हैं :

i) आत्म-ज्ञान प्रदान करना
ii) आत्म-स्वीकृत का विकास करना
iii) सामाजिक सामंजस्य का विकास करना।

परामर्श के प्रकार

एक युग था जब परामर्श की औपचारिक प्रक्रिया के अभाव में ही परामर्श का कार्य सम्पन्न किया जाता था। मानवीय सम्बन्धों के आधार पर किसी को कुछ सुझाव दे देना ही परामर्श समझा जाता था। परन्तु सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, जटिलताओं की निरन्तर वृद्धि ने विश्व के बुद्धिजीवी समुदाय को इस तथ्य का अनुभव करा दिया कि व्यक्ति, समाज एवं राष्ट्र के अस्तित्व को यदि सुरक्षित रखना है यदि समस्त दिशाओं में सतत एवं समान्तर प्रगति करनी है तो व्यक्ति के प्रगति एवं विकास पथ पर आने वाली समस्याओं का समाधान प्रभावी रूप से किया जाना चाहिये और इसके लिए शिक्षा, निर्देशन एवं परामर्श की प्रक्रियाओं को समुचित महत्व प्रदान किया जाना चाहिये। इस अनुभूति के फलस्वरूप ही परामर्श की प्रक्रिया का विकास किया गया। आज अनेक क्षेत्रों में, विभिन्न लक्ष्यों को दृष्टिगत रखकर, परामर्श के

Sunday
Mail/Notes

JANUARY

M	30	2	9	16	23
T	31	3	10	17	24
W		4	11	18	25
T		5	12	19	26
F		6	13	20	27
S		7	14	21	28
S	1	8	15	22	29

Scanned with CamScanner

विभिन्न रूपों का उपयोग किया जाता है, उद्देश्य क्षेत्र आदि के आधार पर विकसित परामर्श के इन विविध प्रकारों पर ही—

i) मनोवैज्ञानिक परामर्श
ii) मनोचिकित्सात्मक परामर्श
iii) शैक्षणिक परामर्श
iv) वैवाहिक परामर्श
v) छात्र परामर्श
vi) व्यवसायिक परामर्श
vii) स्थानापन परामर्श

i) मनोवैज्ञानिक परामर्श → परामर्शदाता एक चिकित्सक के समान होता है तथा उपबोधन चिकित्सक का इसे एक प्रकार माना जाता है। इसमें सामान्य बातचीत के माध्यम से परामर्शदाता सेवार्थी को उसकी दबी हुई इच्छाओं, भावनाओं एवं संवेगों की अभिव्यक्ति में सहायता करता है। इस कार्य के अन्तर्गत उपबोधक सेवार्थी को आवश्यक सुझाव एवं सूचनाएँ प्रदान करता है तथा इसके साथ ही उसे आशा भी बंधाता है। जिससे सेवार्थी अविरल गति से स्वयं की समस्याओं एवं भावों की अभिव्यक्ति कर सके।

Phone/Email/Notes
Notes
RY
13 20 27
14 21 28
15 22
16 23
17 24
8 25
9 26
Scanned with CamScanner